यह लोकतांत्रिक स्वप्न है, यह गाँव, गरीब और जंगल की बेटी पर विश्वास जताना है : द्रोपदी मुर्मू

द्रौपदी मुर्मू का राष्ट्रपति बनना समस्त जनजाति, गाँव के अंतिम व्यक्ति और महिला शक्ति के उत्थान में मील का पत्थर साबित होगा : डॉ. सतीश पूनिया

जयपुर। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की राष्ट्रपति उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू का आराध्य भगवान गोविन्ददेवजी की नगरी जयपुर पधारने पर जयपुर एयरपोर्ट से लेकर कार्यक्रम स्थल तक कई किलोमीटर मानव श्रृंखला के रूप में जनजाति समाज से लेकर राजस्थान की सभी 36 कौमों ने पलक पांवडे बिछाकर भव्य स्वागत अभिनन्दन किया। जयपुर एयरपोर्ट एवं कार्यक्रम स्थल पर द्रौपदी मुर्मू का भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया, नेता प्रतिपक्ष गुलाबचन्द कटारिया, प्रदेश संगठन महामंत्री चन्द्रशेखर, उपनेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़, केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, अर्जुनराम मेघवाल, पूर्व मुख्यमंत्री वसुन्धरा राजे, सांसद कनकमल कटारा, डॉ. किरोड़ीलाल मीणा, जसकौर मीणा, रामचरण बोहरा, भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष जितेन्द्र मीणा इत्यादि वरिष्ठ नेताओं ने स्वागत एवं अभिवादन किया। इस दौरान भाजपा राष्ट्रीय महामंत्री सीटी रवि उपस्थित रहे।

द्रौपदी मुर्मू ने विधायकों और सांसदों से संवाद के दौरान सम्बोधित करते हुए कहा कि राजस्थान की वीर प्रसूता भूमि की वंदना एवं नमन करते हुए सभी प्रदेशवासियों को हृदयतल से नमस्कार करती हूँ। गुलाबी नगरी आना उतना ही सुखद है जितना अपनों के बीच अपने मन और दिल की बात कहना। ओडिशा में छोटे-छोटे सपनों के साथ पली-बढ़ी जनजाति समाज की एक बेटी को राष्ट्रपति भवन तक जाने का रास्ता दिया गया, यह लोकतांत्रिक स्वप्न है, यही अन्त्योदय है, यह गाँव, गरीब और जंगल की बेटी पर विश्वास जताना है। मुर्मू ने कहा कि राजस्थान और ओडिशा में भौगोलिक परिस्थितियों में भिन्नता होने के बावजूद दोनों राज्यों में काफी समानताएं हैं, जिनमें प्रकृति के साथ जीना, राजस्थान के लोगों द्वारा जल को जीवन की भाँति संवारकर रखना, इसी प्रकार ओडिशा के लोगों को चक्रवाती तूफानों के बावजूद जिंदगी का पहिया नई उम्मीदों के साथ घुमाते रहना आता है।

द्रौपदी मुर्मू के विधायकों और सांसदों से संवाद कार्यक्रम के दौरान डॉ. सतीश पूनियां ने स्वागत सम्बोधन में कहा कि देश में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में 2014 से बुनियादी बदलाव व वैचारिक मुद्दों के समाधान की दिशा में तेजी से काम हो रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में द्रौपदी मुर्मू का राष्ट्रपति उम्मीदवार के रूप में चयन होना देश और राजस्थान के आदिवासी समाज का सम्मान तो है ही, साथ ही महिला उत्थान के लिए भी पूरी दुनिया को बड़ा संदेश है। द्रौपदी मुर्मू का देश के इस सर्वोच्च पद पर आसीन होने से समस्त जनजाति, गाँव के अंतिम व्यक्ति और महिला शक्ति के उत्थान मे मील का पत्थर साबित होगा। गुलाबचन्द कटारिया ने कहा कि देश का सौभाग्य है कि भारत के सबसे बड़े पद पर द्रौपदी मुर्मू के पहुँचने से पूरी दुनिया में सकारात्मक संदेश जायेगा और देश की प्रथम आदिवासी महिला का राष्ट्रपति बनना ऐसे है जैसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कोई हीरा खोजकर लाये हैं। क्योंकि मुर्मू जमीन से जुड़ी हुई, गरीब के दु:ख-दर्द को समझने वाली, अंतिम व्यक्ति के घर तक बुनियादी सुविधाएं पहुँचाने के लिए संकल्पित महिला शक्ति हैं।

पूर्व मुख्यमंत्री वसुन्धरा राजे ने कहा कि द्रौपदी मुर्मू राष्ट्रपति पद को सुशोभित करेंगी, राष्ट्रपति पद का सम्मान बढ़ेगा।

एनडीए की राष्ट्रपति उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू का जयपुर एयरपोर्ट पहुंचने पर भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ.सतीश पूनिया, केंद्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत सहित अन्य नेताओं ने स्वागत किया।

- देश का सौभाग्य है कि भारत के सबसे बड़े पद पर द्रौपदी मुर्मू के पहुँचने से पूरी दुनिया में सकारात्मक संदेश जायेगा : कटारिया
- द्रौपदी मुर्मू आदिवासी समाज की संस्कारवान महिला हैं : राजे
- द्रौपदी मुर्मू के राष्ट्रपति बनने से भारत की शक्ति पूरी दुनिया में और बढ़ेगी : शेखावत

इन्होंने एक श्रेष्ठ शिक्षक बनकर बच्चों को शिक्षा दी, गरीबों के विकास के लिए कार्य किये, यह आदिवासी समाज की संस्कारवान महिला हैं। गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि राष्ट्रपति उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू की विधायकों एवं सांसदों से संवाद की यह 25वीं श्रृंखला है। इनके राष्ट्रपति बनने से भारत की शक्ति पूरी दुनिया में और बढेगी। द्रौपदी मुर्मू के विधायकों और सांसदों से संवाद कार्यक्रम के दौरान इनका परिचय सांसद भारती पंवार ने अपने संबोधन में दिया, कार्यक्रम का संचालन राजेन्द्र राठौड़ ने किया और धन्यवाद सचेतक जोगेश्वर गर्ग ने किया।

द्रौपदी मुर्मू के स्वागत कार्यक्रम में राठौड़ पर भड़के किरोड़ी मीणा

- राष्ट्रपति प्रत्याशी से अपने समर्थकों को मिलवाना चाहते थे सांसद डॉ.मीणा

जयपुर। राष्ट्रपति पद की एनडीए उम्मीदवार द्रोपदी मुर्मू के कार्यक्रम की व्यवस्थाओं को लेकर भाजपा सांसद डॉ. किरोड़ी लाल मीणा सोमवार को भड़क गए। आलम यह रहा कि मुर्मू के होटल क्लार्क आमेर पहुंचने से पहले ही आदिवासी समाज से आने वाले डॉ.किरोड़ी लाल मीणा अपने समर्थकों के साथ यहां से रवाना हो गए। नाराज किरोड़ी लाल मीणा की राजेंद्र राठौड़ के साथ भी तीखी नोकझोंक हुई तो वहीं भाजपा विधायक और सांसदों के साथ हुई मुर्मू की बैठक में भी वे शामिल नहीं हुए।

दरअसल किरोड़ी लाल मीणा आदिवासी समाज से जुड़े कई लोगों को मुर्मू से मिलवाना चाहते थे। वे इन लोगों को अपने साथ लेकर होटल क्लार्क आमेर भी पहुंचे जहां एनडीए प्रत्याशी द्रौपदी मुर्मू का आदिवासी समाज के प्रबुद्ध जनों के साथ संवाद का कार्यक्रम था। हालांकि समाज से जुड़े प्रबुद्धजनों से संवाद और मुलाकात कार्यक्रम के लिए पार्टी ने पहले ही कई लोगों के नाम तय कर लिए थे जिन्हें पास भी दे दिए गए थे, लेकिन जब किरोड़ी लाल मीणा बड़ी संख्या में समाज के अन्य लोगों को लेकर यहां पहुंचे तो पास से जुड़ी व्यवस्था में लगे भाजपा पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं के साथ उनकी नोकझोंक हो गई। नाराज किरोड़ी लाल मीणा ने इस मामले में केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत और राजेंद्र राठौड़ के समक्ष भी नाराजगी जताई। बाद में नाराज होकर किरोड़ी होटल से चले गए।

राठौड़ से हुई झड़प में शेखावत ने बीच-बचाव किया। डॉ. किरोड़ी लाल मीणा अपने कुछ समर्थकों के साथ कार्यक्रम स्थल होटल क्लार्क आमेर के अंदर भी पहुंचे जहां मौजूद प्रतिपक्ष के उपनेता राजेंद्र राठौड़ और केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने मीणा संग आए समर्थकों की ओर से भाजपा का झंडा लाने पर आपत्ति जताई। मंत्री शेखावत ने यह तक कहा कि यहां पर भाजपा के झंडे और नारे नहीं लगाए जाएंगे। भारत माता की जय बोलिए, वहीं राजेंद्र राठौड़ ने किरोड़ी लाल मीणा से यह भी कहा कि आपसे जब मैंने सूची मांगी थी कि किन के पास बनाने हैं तो आपने क्यों नहीं दी। ऐसे में मीणा भड़क गए और कहा मुझसे किसी ने सूची नहीं मांगी, न मेरे पास कोई आया था। नाराजगी का आलम यह था किरोड़ी लाल मीणा जोर-जोर से गुस्से में चिल्लाने लगे और यह तक कह डाला कि क्या दीवारों से पास मांगूं।

सांसद किरोड़ी लाल मीणा ने कहा कि इस कार्यक्रम के लिए उनके साथ उदयपुर, बांसवाड़ा और डूंगरपुर के कुछ आदिवासी नेता भी आए थे। इनमें बांसवाड़ा, डूंगरपुर के मोर्चा जिला अध्यक्ष भी थे लेकिन पार्टी ने उनका पास नहीं बनाया था। मीणा ने कहा कि उन्होंने राजेंद्र राठौड़ को इसकी जानकारी भी दी थी। जब कार्यक्रम में पहुंचा तो वहां सवाई माधोपुर के कई लोग मौजूद थे जबकि आदिवासी क्षेत्रों से आने वाले इन लोगों के पास को लेकर रोड़े अटकाए गए। मीणा ने कहा कि राजेंद्र राठौड़ को बोलकर ही वह अपने गुरुजी से मिलने वृंदावन रवाना हो गए। होटल क्लार्क आमेर में भाजपा विधायक और सांसदों से द्रौपदी मुर्मू की मुलाकात और संवाद का कार्यक्रम था। उसमें भी डॉक्टर किरोड़ी लाल मीणा नहीं दिखे। ऐसे में यहां मौजूद भाजपा विधायक और सांसदों में डॉ. किरोड़ी लाल मीणा की अनुपस्थिति को लेकर चर्चा बनी रही।

आस्तीन के सांप से दूर रहें तो ही अच्छा है

सचिन पायलट से बाबूलाल नागर की मुलाकात पसंद नहीं आई दूदू के कांग्रेसजनों को

जयपुर, (का.प्र.)। दूदू से निर्दलीय विधायक बाबूलाल नागर ने मंगलवार को कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सचिन पायलट से उनके निवास पर जाकर मुलाकात दूदू में पायलट समर्थक नेताओं को बिल्कुल भी पसंद नहीं आई है। उन्होंने बाबूलाल नागर को "आस्तीन का सांप" बताते हुए सचिन पायलट से आग्रह किया है कि वे इससे बचके रहें अन्यथा आपके कार्यकर्ता आपसे दूर हो जाएंगे।

पायलट के समर्थक और दूदू विधानसभा से कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ चुके रितेश बैरवा इस मुलाकात से सबसे ज्यादा नाराज नजर आ रहे हैं। बाबूलाल नागर की सचिन पायलट के बंगले पर आने की सूचना के बाद रितेश बैरवा ने एक अपील सोशल मीडिया के जरिए सचिन पायलट तक पहुंचाई है।

बैरवा ने सचिन पायलट को याद दिलाया है कि किस तरह से ना करें उनके लिए अपशब्दों का प्रयोग किया था। साथ ही यह गुजारिश की गई है कि उनसे दूर रहें नहीं तो उनके समर्थकों का मनोबल टूट जाएगा। दूदू से कांग्रेस के उम्मीदवार रहे रितेश बैरवा ने लिखा है कि आप नागर को गले लगाकर उन हजारों कार्यर्ताओं का मनोबल तोड़ रहे हो, जिन्होंने हर जगह आपके स्वागत, सम्मान व जयकारों में कभी कमी नहीं होने दी। बाबूलाल नागर इन हजारों का हमेशा से ही शोषण करते आए हैं। इन्होंने आपके जयकारे लगाने पर कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार करवा दिया था। सचिन पायलट दूदू विधानसभा क्षेत्र का हर एक कार्यकर्ता व आपका समर्थक ये चाहता है, कि आप इस आस्तीन के सांप से दूर रहें तो ही अच्छा हैं, वरना ये कार्यकर्ता आपको छोड़ कर चला जाएगा। राजनीतिक चर्चाओं में कहा जाता है कि 2018 के विधानसभा चुनाव में बाबूलाल नागर का टिकट प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष रहते हुए सचिन पायलट के विरोध के चलते कटा था।

व्हिप उल्लंघन के मामले में बीटीपी विधायकों को पार्टी ने नोटिस दिया

जयपुर, (का.प्र.)। बीटीपी प्रदेशाध्यक्ष डॉ वेलाराम घोघरा ने बीटीपी के दोनों विधायकों को राज्यसभा चुनावों में व्हिप का उल्लंघन करने के कारण नोटिस जारी कर 15 दिन में जवाब मांगा है।

बीटीपी के प्रदेशाध्यक्ष वेलाराम घोगरा ने राज्यसभा चुनावों में व्हिप जारी करने की बात करते कहा कि राज्यसभा चुनावों में पार्टी की ओर से व्हिप जारी किया गया था, जिसमें दोनों ही विधायक सागवाड़ा से रामप्रसाद डिंडोर और चौरासी से विधायक राजकुमार रोत को किसी भी पार्टी के उम्मीदवार को समर्थन नहीं करने के लिए कहा गया था। इसके साथ ही सरकार के सामने कांकरी डूंगरी केस वापस लेने का प्रस्ताव रखा था। सरकार ने केस तो वापस नही लिए लेकिन दोनों ही विधायक बिना किसी सूचना के कांग्रेस की बाड़ेबंदी में जाकर बैठ गए।

- प्रदेशाध्यक्ष वेलाराम ने दोनों विधायकों पर सरकार से आर्थिक लाभ लेकर समर्थन देने का आरोप भी लगाया

घोघरा ने उनकी वोटिंग को धोखा करार देते हुए कहा कि ये दोनों विधायक सरकार से कांकरी डूंगरी केस भी वापस नही करवा सके और यहां के आदिवासी युवाओं के साथ धोखा किया। डॉ वेलाराम घोघरा ने दोनों ही विधायकों पर सरकार से आर्थिक लाभ लेकर समर्थन करने के भी आरोप लगाए और कहा की इसी वजह से दोनों ही विधायक कांकरी डूंगरी और यहां की मांगों को लेकर चुप हैं। प्रदेशाध्यक्ष घोगरा ने कहा कि विधायकों की ओर से बिना सूचना के बाड़ेबंदी में जाने ओर कांग्रेस को समर्थन करने को गलत मानते हुए नोटिस जारी किए हैं। दोनों विधायकों को 15 दिन का वक्त दिया गया है। इस दौरान दोनों को अपना जवाब पेश करना होगा। इसके बाद दोनों विधायकों के खिलाफ पार्टी कमेटी की मीटिंग में निर्णय लेकर कार्रवाई की जाएगी।

गैंग रेप मामले में विधायक पुत्र को राहत नहीं

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने नाबालिग से सामूहिक दुष्कर्म करने से जुड़े मामले में अलवर के राजगढ़ विधायक के पुत्र को राहत देने से इनकार कर दिया है। इसके साथ ही अदालत ने आरोपी की ओर से निचली अदालत के प्रसंज्ञान आदेश के खिलाफ दायर आपराधिक याचिका को खारिज कर दिया है। जस्टिस उमाशंकर व्यास ने यह आदेश आरोपी दीपक मीणा की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में कहा गया कि पुलिस की ओर से पेश किए गए आरोप पत्र में उसका नाम नहीं है। इसके अलावा अभियोजन पक्ष के पास उसके खिलाफ कोई साक्ष्य नहीं है। ऐसे में निचली अदालत ने उसके खिलाफ गलत तरीके से प्रसंज्ञान लेकर गिरफ्तारी वारंट से तलब किया है। जिसका विरोध करते हुए पीडिता के अधिवक्ता रजनीश गुप्ता ने बताया कि पुलिस ने आरोपी के विधायक पुत्र होने के कारण क्लीन चिट दी है। एफआईआर के साथ ही पीड़िता के बयानों में आरोपी का नाम है। इसलिए निचली अदालत का प्रसंज्ञान आदेश सही है। गौरतलब है कि पीड़िता के पिता ने गत 25 मार्च को मंडावर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। जिसमें विधायक जौहरीलाल मीणा के बेटे दीपक मीणा सहित अन्य पर गैंग रेप का आरोप था।

तो क्या राजस्थान के लिए राहुल गांधी कोई साझा फार्मूला तय कर रहे हैं?

राहुल गांधी पहले दिल्ली में सचिन पायलट के धैर्य की प्रशंसा करते हैं, फिर एक पोस्ट के जरिए राजस्थान सरकार के कामकाज को सराहा जाता है

जयपुर, (का.प्र.)। राहुल गांधी सच में राजस्थान कांग्रेस के दो प्रमुख स्तंभ अशोक गहलोत और सचिन पायलट के बीच राजनीतिक प्रतिद्वंदिता समाप्त करना चाहते हैं, या फिर वह दोनों नेताओं के बीच चल रही बयानबाजी को देखते हुए, एक बार जहां सचिन पायलट की तारीफ कर रहे हैं, तो दूसरी बार में वे मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और उनकी सरकार की तारीफ में पोस्ट डाल रहे हैं, ताकि संतुलन दिखाया जा सके। ऐसे में राजस्थान का कांग्रेसजन यह नहीं समझ पा रहा है कि आखिरकार कांग्रेस आलाकमान, जिसमें कि सभी महत्वपूर्ण फैसले सिर्फ राहुल गांधी लेते हैं, आखिरकार राजस्थान को लेकर क्या निर्णय करने वाले हैं या फिर असमंजस को बरकरार रखना चाहते हैं।

यह चर्चा किस लिए हो रही है कि हाल ही में एआईसीसी में जब राहुल गांधी सभा को संबोधित कर रहे थे, तब उन्होंने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की अनुपस्थिति में सचिन पायलट के धैर्य की प्रशंसा की थी। तब यह माना जा रहा था कि बहुत जल्द राजस्थान में राजनीतिक बदलाव हो सकता है, लेकिन यह बदलाव नहीं हो पाया। अब राहुल गांधी ने एक बार फिर अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक पोस्ट डाली है, जिसमें उन्होंने राजस्थान सरकार की जमकर बढ़ाई की है और लिखा है कि राजस्थान सरकार ने जो कहा वह सब किया है। हालांकि राजस्थान सरकार की इस तारीफ के साथ में कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के साथ पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट की फोटो भी पोस्ट की है।

दरअसल राहुल गांधी ने अपने सोशल मीडिया पेज पर पोस्ट लिखकर मेडिकल के क्षेत्र में गहलोत सरकार के कामकाज को सराहा है। सरकार की तारीफ वाली पोस्ट में अशोक गहलोत के साथ सचिन पायलट का भी फोटो लगाया है। गहलोत सरकार की तारीफ में की गई पोस्ट के फोटो में पायलट को शामिल किए जाने पर लोग इसे को बदलते सियासी समीकरणों से जोड़कर देख रहे हैं।

वही एक मायना यह भी निकाला जा रहा है कि जब मुख्यमंत्री अशोक गहलोत लगातार किसी ना किसी बहाने से राजस्थान में हुई सियासी बगावत को याद दिलाते रहते हैं, वही मौका मिलने पर सचिन पायलट भी अपने तरीके से जवाब देते हैं। ऐसे में जब राहुल गांधी ने दोनों नेताओं की फोटो एक साथ पोस्ट की है, तो इसका मतलब वह चाहते हैं कि लोगों में इसका असर यह जाए कि कांग्रेस आलाकमान दोनों नेताओं को बराबर तवज्जो देता है। मजेदार बात यह है कि राहुल गांधी की इस पोस्ट जिसमें कि दोनों नेताओं को साझा तवज्जो दी गई है, के बाद में अशोक गहलोत को जहां गुजरात में वरिष्ठ पर्यवेक्षक बनाया गया, वहीं सचिन पायलट को भी हिमाचल प्रदेश में पर्यवेक्षक बनाने के आदेश आ गए।

राहुल ने सोशल मीडिया पर जो पोस्ट की है उसमें लिखा कि राजस्थान से जो वादा किया, वह निभाया। राहुल गांधी ने लिखा है "राजस्थान की कांग्रेस सरकार ने जनता से किया अपना एक और वादा निभाया है। प्रदेश में चल रही नि:शुल्क दवा योजना में 824 और दवाइयों को शामिल किया गया है। राजस्थान देश का पहला ऐसा राज्य बना जहां लगभग 1795 दवाइयां बिल्कुल मुफ्त मिल रही हैं। इनमें से कई महंगी जीवनरक्षक दवाइयां भी मुफ्त मिलेगी, जिससे लाखों लोगों की जिंदगी बनेगी। कांग्रेस सरकार, राजस्थान की जनता को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं देने के लिए प्रतिबद्ध है। हमारा लक्ष्य जनता के जीवन को बेहतर बनाना है। सभी हॉस्पिटल में मुफ्त में अच्छा इलाज, जांच, दवाइयां उपलब्ध कराकर अमीर और गरीब के बीच की गहरी खाई को कम करना हमारी प्राथमिकता है। कांग्रेस पार्टी ऐसा हिंदुस्तान चाहती है जहां सब बराबर हो, सबको सामान अधिकार, अच्छा जीवन, अच्छी सुविधाएं मिलें, ताकि हमारा देश तरक्की कर सके।"

राजस्थान में 2018 में जब कांग्रेस की सरकार बनी थी उस दौरान शपथ ग्रहण के बाद राहुल गांधी ने अशोक गहलोत और सचिन पायलट को साझा फार्मूले से काम करने को कहा था।

राहुल गांधी ने हाल ही में अपने सोशल मीडिया अकांउट पर एक पोस्ट डाली, जिसमें राजस्थान सरकार की जमकर बढ़ाई की है।

- सचिन पायलट की प्रशंसा के समय अशोक गहलोत का नाम नहीं लेते, लेकिन राजस्थान सरकार की प्रशंसा करते हैं, तो सचिन पायलट की फोटो भी साथ में पोस्ट की जाती है
- हालांकि लोग अभी यह समझने में असमर्थ है कि आखिरकार राजस्थान में दोनों नेताओं की प्रतिद्वंदिता का अंत कहां जाकर होगा?

आयुर्वेद चिकित्सकों की सेवानिवृत्ति आयु 62 साल करने के आदेश

जयपुर। हाईकोर्ट ने कहा है कि चिकित्सा पद्धति के आधार पर चिकित्सकों की सेवानिवृत्ति की आयु तय करने में भेदभाव नहीं किया जाना चाहिए। इसके साथ ही अदालत ने आयुर्वेद चिकित्सकों की सेवानिवृत्ति आयु को एलोपैथी डॉक्टर के समान 62 साल करने को कहा है। अदालत ने कहा कि सेवानिवृत्त किए गए आयुर्वेद चिकित्सकों की उम्र यदि 62 साल से कम है तो उन्हें वापस सेवा में लिया जाए और जिनकी उम्र 62 साल को पार कई गई है, उन्हें परिलाभ अदा किए जाए। जस्टिस एमएम श्रीवास्तव और जस्टिस शुभा मेहता की खंडपीठ ने यह आदेश डॉ. महेश शर्मा व अन्य की याचिकाओं पर दिए।

याचिकाओं में अधिवक्ता डॉ. अभिनव शर्मा, तनवीर अहमद व अन्य ने बताया कि पूर्व में एलोपैथी डॉक्टर्स की सेवानिवृत्त होने की आयु 60 साल थी। राज्य सरकार ने 31 मार्च 2016 को एक अधिसूचना जारी कर इनकी सेवानिवृत्ति की आयु बढाकर 62 साल ही रखी गई, लेकिन आयुर्वेद चिकित्सकों की सेवानिवृत्ति आयु 60 साल ही रखी गई। जबकि सुप्रीम कोर्ट ने एनडीएमसी बनाम डॉ. रामनरेश मामले में आयुर्वेद चिकित्सकों की सेवानिवृत्ति आयु भी 62 साल करने की मंजूरी दी है। इसके अलावा सिर्फ चिकित्सा पद्धति के आधार पर सेवानिवृत्ति आयु में अंतर नहीं रखा जाना चाहिए।

नम्बर मिलाइए
9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

राजस्थान आवासन मण्डल, वृत-प्रथम, प्रताप नगर, जयपुर
क्रमांक : 5284 जाहिर आम सूचना दिनांक 07.07.2022
राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर योजना में आवास/फ्लैट संख्या- 51/193 (LIG) का आवंटन श्री बाबू लाल नाटानी पुत्र श्री घीसा लाल नाटानी को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र कमांक 2041 दिनांक 21.03.1992 को जारी किया गया था। जिसका नियमितिकरण पत्र कमांक 3564/6171 दिनांक 31.03.2013 के द्वारा श्रीमती शोभा गुप्ता पत्नी श्री रामावतार गुप्ता के पक्ष में किया गया। उनके पक्ष में पंजीयन पत्रों का निष्पादन दिनांक 31.03.2012 को उप पंजीयक सांगानेर प्रथम जयपुर के यहां पंजीकृत करवाया गया। श्रीमती शोभा गुप्ता की मृत्यु दिनांक 09.02.2019 को हो जाने के कारण उनके पुत्र श्री संजय गुप्ता पुत्र श्री रामावतार गुप्ता के नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कर दिया जावेगा।
भवदीय सम्पदा प्रबंधक- वृत-प्रथम, राज.आवा.मण्डल, जयपुर

राजस्थान आवासन मण्डल, वृत-प्रथम, प्रताप नगर, जयपुर
क्रमांक : 5283 जाहिर आम सूचना दिनांक 07.07.2022
राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर योजना में आवास/फ्लैट संख्या- 80/370 (LIG) का आवंटन श्री प्रदीप कुमार कुदाल पुत्र श्री पी.डी. कुदाल को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र कमांक 959 दिनांक 31.05.2000 को जारी किया गया था। जिसका नियमितिकरण पत्र कमांक 469 दिनांक 16.05.2002 के द्वारा श्रीमती साधना नरूका पत्नी श्री बजरंग सिंह नरूका के पक्ष में किया गया। उनके पक्ष में पंजीयन पत्रों का निष्पादन दिनांक 20.11.2006 को उप पंजीयक सांगानेर प्रथम जयपुर के यहां पंजीकृत करवाया गया। श्रीमती साधना नरूका की मृत्यु दिनांक 16.07.2017 को हो जाने के कारण उनकी पुत्री श्रीमती मिथलेश कंवर पत्नी श्री पदम सिंह द्वारा आवासन मण्डल में अपना नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कराने बाबत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण बाबत किसी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति हो तो अधोहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय में 7 दिवस में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए कि मण्डल रिकॉर्ड में नाम दर्ज करने में किसी को कोई आपत्ति नहीं है, श्रीमती मिथलेश कंवर पत्नी श्री पदम सिंह के नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कर दिया जावेगा। भवदीय सम्पदा प्रबंधक- वृत-प्रथम, राज.आवा.मण्डल, जयपुर

कार्यालय उप आवासन आयुक्त, वृत-द्वितीय
राजस्थान आवासन मण्डल, आयवा फार्म, मानसरोवर, जयपुर
क्रमांकः DHC-II/ 1107 जाहिर आम सूचना दि. 12.07.22
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्थान आवासन मण्डल द्वारा आवास संख्या 116/160, मानसरोवर, जयपुर, क्षेत्रफल 50.93 वर्ग मीटर/वर्ग गज का आवंटन श्री प्रफुल चन्द पुत्र श्री अमृत लाल पटेल को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 2545 दिनांक 11.10.1989 को जारी किया गया। इनके द्वारा उक्त आवास का भौतिक कब्जा दिनांक 30.07.1990 को प्राप्त कर लिया गया था। इसके पश्चात राजस्थान आवासन मण्डल के पत्र क्रमांक 164 दिनांक 11.01.2001 के द्वारा श्री विजय कुमार परनामी पुत्र श्री हुकम चन्द परनामी के नाम निरनिकेतन पत्र जारी कर दिया गया। तत्पश्चात श्री विजय कुमार परनामी पुत्र श्री हुकम चन्द परनामी द्वारा उक्त आवास के विरुद्ध समस्त कार्यवाही सम्पादित करने हेतु श्री मंधाराम पुत्र श्री भैरूलाल जी के नाम दिनांक 24.05.2002 को मुख्त्यारनामा निष्पादित करवाया गया। श्री मंधाराम पुत्र श्री भैरूलाल जी द्वारा महेसियत मुख्त्यारनामा के आधार पर उक्त आवास के पंजीयन प्रपत्रों का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक, जयपुर में दिनांक 05.08.2002 को करवाया गया। श्री मंधाराम पुत्र श्री भैरूलाल जी के द्वारा उक्त आवास का विक्रय प्रपत्रों का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक, जयपुर में दिनांक 25.10.2004 को करवाया गया। तत्पश्चात श्री भैरूलाल पुत्र श्री घूघरमल का स्वर्गवास दिनांक 05.04.2012 को हो गया जिसके फलस्वरूप स्व. श्री भैरूलाल के विधिक उत्तराधिकारियों द्वारा उक्त आवास के संबंध में समस्त कार्यवाही करने हेतु श्रीमती लक्ष्मी देवी पत्नी स्व. श्री भैरूलाल जी के पक्ष में हकत्याग विलेख जारी किया गया जो उप पंजीयक कार्यालय जयपुर में दिनांक 02.05.2022 को पंजीकृत करवाया गया। इसके पश्चात श्रीमती लक्ष्मी देवी पत्नी स्व. श्री भैरूलाल जी के द्वारा आवास का उपहार जरिये उपहार पत्र के श्री ओमप्रकाश बालचन्दानी एवं श्री सुशील बालचन्दानी पुत्रान् श्री मंधाराम बालचन्दानी को कर दिया गया। इसके द्वारा उक्त आवास के विक्रय प्रपत्रों का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक, जयपुर में दिनांक 11.05.2022 को करवाया गया। तत्पश्चात श्री ओमप्रकाश बालचन्दानी एवं श्री सुशील बालचन्दानी पुत्रान् श्री मंधाराम बालचन्दानी द्वारा उक्त आवास का मृत्यु पश्चात नाम हस्तान्तरण/सीजदीद हस्तान्तरण सम्बन्धी प्रपत्र प्रस्तुत कर उक्त आवास को अपने नाम हस्तान्तरण हेतु निवेदन किया है। श्री ओमप्रकाश बालचन्दानी एवं श्री सुशील बालचन्दानी पुत्रान् श्री मंधाराम बालचन्दानी के द्वारा मण्डल अभिलेख में उक्त आवास का मृत्यु पश्चात् नाम एवं सीजदीद हस्तान्तरण अपने पक्ष में करने का निवेदन किया है। अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण के संबंध में किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 7 दिवस में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर दें, अन्यथा उक्त अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर उक्त वर्णित व्यक्ति/ आवेदक श्री ओमप्रकाश बालचन्दानी एवं श्री सुशील बालचन्दानी पुत्रान् श्री मंधाराम बालचन्दानी के पक्ष में उक्त आवास के हस्तान्तरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। उक्त जाहिर आम सूचना उप आवसन आयुक्त महोदय से अनुमोदित है। सम्पदा प्रबन्धक वृत द्वितीय, जयपुर

कार्यालय नगर निगम ग्रेटर, जयपुर
(पं. दीनदयाल उपाध्याय भवन, लालकोठी, टोंक रोड, जयपुर-15)
क्रमांक- एच-13(1)जेएमसी-द्वितीय/कन्टि/2022/654 दिनांक- 24.06.2022
सार्वजनिक सूचना
भूखण्ड संख्या 225, महात्मा गांधी नगर (आनन्द भवन गृह निर्माण सहकारी समिति लि.) जयपुर का जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा श्रीमती निर्मला पत्नी श्री परमानन्द शर्मा को क्षेत्रफल 146.66 वर्गगज भूमि का पट्टा विलेख जारी किया गया था। प्रकरण में अब आवेदक द्वारा प्रार्थना पत्र, शपथ पत्र (अण्डरटेकिंग), रजि. पट्टा मय साइट प्लान की फोटोप्रति, मूल आवंटी का मूल मृत्यु प्रमाण पत्र व अन्य चैन दस्तावेजों की फोटोप्रतियों के आधार उक्त भूखण्ड का नाम हस्तान्तरण चाहा है। आवेदक द्वारा उपलब्ध कराई गई मूल दस्तावेजों की फोटोप्रतियों के आधार पर श्री नीरज शर्मा पुत्र श्री आर.डी. शर्मा के पक्ष में उक्त भूखण्ड का कुल क्षेत्रफल 146.66 वर्गगज का नाम हस्तान्तरण किया जाना है। उक्त भूखण्ड के नाम हस्तान्तरण बाबत किसी भी व्यक्ति, संस्था, फर्म, कम्पनी को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन की तिथि से 07 कार्य दिवसों अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय (उपायुक्त, आयोजना-द्वितीय) में प्रस्तुत करें। अन्यथा निर्धारित अवधि की समाप्ति के बाद विधिवत नियमानुसार पत्रावली नाम हस्तान्तरण की कार्यवाही सम्पादित कर ली जावेगी। उपायुक्त (आयोजना द्वितीय) ग्रेटर नगर निगम, जयपुर

कार्यालय उप आवासन आयुक्त, वृत-तृतीय राजस्थान आवासन मण्डल
जे.एल.एन. मार्ग, जवाहर सर्किल के पास, जयपुर, दूरभाष संख्या : 0141-4901853
आम जाहिर सूचना
राजस्थान आवासन मण्डल, जयपुर द्वारा आवास संख्या- 6-घ-25, जवाहर नगर, जयपुर क्षेत्रफल 98.00 वर्ग गज का आवंटन श्रीमती विद्या देवी आकड़ पत्नी श्री श्रवण लाल आकड़ को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र कमांक 5017 दिनांक 27.12.1974 जारी किया गया था। उनके द्वारा उक्त आवास के पंजीयन प्रपत्रों का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक, जयपुर प्रथम में दिनांक 16.11.1990 को कर